

**नरखड़ा** पुं. (देश.) गला।

**नरगण** पुं. (तत्.) फलित ज्योतिष के नक्षत्रों का एक गण जिसमें जन्मे मनुष्य सुशील और बुद्धिमान होते हैं।

**नरगिस** पुं. (फा.) 1. एक सफेद रंग का सुगंधित फूल जिसकी आकृति कटोरी जैसी होती है तथा जिसके बीच में काले रंग का गोल धब्बा होता है, इसी कारण इसकी उपमा आँखों के साथ की जाती है जैसे- नरगिसी आँखें 2. इस फूल वाला पौधा।

**नरगिसी** पुं. (फा.) 1. एक प्रकार का कपड़ा जिस पर नरगिस की तरह के फूल बने रहते हैं 2. एक प्रकार का तला हुआ अंडा वि. नरगिस के फूल जैसा।

**नरचा** पुं. (देश.) एक प्रकार का पाट या पटुआ।

**नरजी** वि. (देश.) तौल करने वाला।

**नरतना** अ.क्रि. (तद्.) नाचना।

**नरतात** पुं. (तत्.) राजा, नृपति।

**नरत्राण** पुं. (तत्.) 1. राजा, नरपाल 2. श्री कृष्ण।

**नरत्व** पुं. (तत्.) 1. मनुष्यत्व, मानवता 2. पुरुषत्व, पुरुष होने का भाव, पौरुष स्त्री. (तत्.) नर होने का भाव, नरता।

**नरद** स्त्री. (तत्.) शब्द, ध्वनि, नाद (फा.) 1. चौसर खेलने की गोटी 2. एक पौधा जिसके फूलों का अर्क खींचा जाता है और जिसकी पत्तियाँ मसाले के काम आती हैं।

**नरदवाँ** पुं. (फा.) 1. नल 2. पनाला।

**नरदा** पुं. (फा.) मैला पानी बहने की नाली।

**नरदारा** पुं. (तत्.) 1. जनाना, जनखा, हिजड़ा, नपुंसक 2. जो पुरुष होकर भी स्त्रियों जैसे काम करे, डरपोक, कायर।

**नरदेव** पुं. (तत्.) 1. राजा, नृपति 2. ब्राह्मण।

**नरदेव कुमार** पुं. (तत्.) श्रीमद्भागवत में वर्णित एक ऋषि।

**नरद्विष** पुं. (तत्.) राक्षस।

**नरनाथ** पुं. (तत्.) राजा, नृपति, नृपाल।

**नरनारायण** पुं. (तत्.) विष्णु के अवतार नर और नारायण नामक दो ऋषि, द्वापर में ये ही अर्जुन और कृष्ण के रूप में अवतरित हुए, कालिका पुराण के अनुसार नृसिंह के 'नर' शरीर से नर तथा सिंह रूपी शरीर से नारायण की उत्पत्ति हुई, उत्तराखंड राज्य में स्थित पर्वत विशेष।

**नरनारि** स्त्री. (तत्.) 1. नर, यानी अर्जुन की स्त्री, द्रौपदी, पांचाली। 2. पुरुष और स्त्री।

**नरनारी** पुं. (तत्.) पुरुष और स्त्रियाँ, जनता।

**नरनाह** पुं. (तद्.) राजा, नृप, नृपाल।

**नरनाहर** पुं. (तत्.) 1. नरकेशरी 2. नृसिंह भगवान।

**नरनी** स्त्री. (देश.) एक तरह का पौधा।

**नरपति** पुं. (तद्.) राजा, नृपति, नृपाल, भूप।

**नरपद** पुं. (तत्.) 1. नगर 2. देश।

**नरपलचारी** वि. (तत्.) नरमांस भक्षक, मनुष्य का मांस खाने वाला।

**नरपशु** पुं. (तत्.) मनुष्य होते हुए भी पशुओं की तरह व्यवहार करने वाला।

**नरपालि** पुं. (तत्.) छोटा शंख।

**नरपिशाच** पुं. (तत्.) जो मनुष्य होकर भी पिशाचों जैसा काम करे, बहुत ही नीच मनुष्य, वह मनुष्य जो अत्यंत क्रूर और निर्दय हो।

**नरपुर** पुं. (तत्.) भूलोक, मनुष्य लोक।

**नरप्रिय** पुं. (तत्.) नील का पेड़।

**नरभक्षी** पुं. (तत्.) मनुष्यों को खाने वाला राक्षस, दैत्य।

**नरभूमि** स्त्री. (तत्.) भारत वर्ष।

**नरम** पुं. (फा.) दे. नर्म वि. 1. कोमल, मुदु 2. लोचदार 3. शिथिल, ढीला 4. नज़ाकत।

**नरमट** स्त्री. (देश.) वह जमीन जहाँ की मिट्टी मुलायम हो।